

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में...

इनोवेशन व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में इन विश्वविद्यालयों का है दबदबा

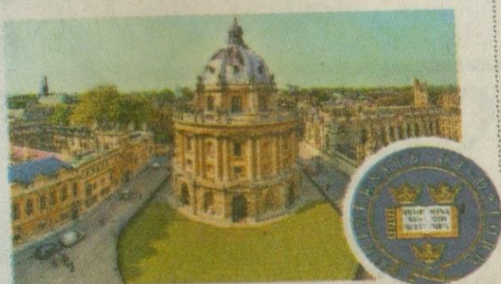
दुनिया के अधिकतर देश उच्च शिक्षा में खुद को बेहतर साबित करना चाहते हैं। लेकिन संभावित चुनौतियों से पार पाने में ब्रिटेन व अमरीका की यूनिवर्सिटीज ही बेहतर विकल्प दे पाती हैं। डेनमार्क चीन स्विटजरलैंड, जैसे देश जट्टोजहद के बाद भी टॉप-10 में स्थान नहीं बना पाते। विश्वविद्यालय प्रशासक मानते हैं कि वहां के शिक्षण संस्थान ग्लोबल वार्मिंग, ऊर्जा, सुपरबग ब्लैक होल और आज की चुनौतियों का समाधान देने में सक्षम हैं। इसलिए वे लीडिंग भूमिका में हैं। हालांकि कुछ देशों ने उनके समक्ष चुनौतियां पेश कर दी हैं।



एमआईटी, यूएसए

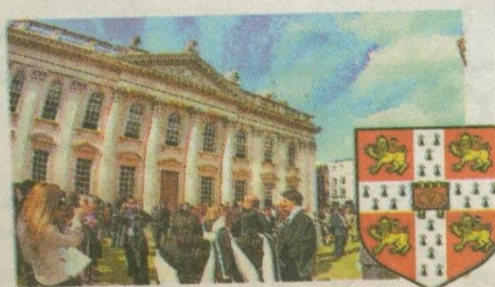
एमआईटी परिवहन और ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए नई तकनीक के विकास में जुटा है। यहां के प्रशासक मानते हैं कि ऊर्जा की मांग में तेजी से वृद्धि भी जारी है। इस समस्या से निपटने के लिए एमआईटी ने एनर्जी इनिशिएटिव के तहत मोबिलिटी ऑफ दी फ्यूचर पर काम शुरू किया है। इसके लिए विश्व के उच्च शोध संस्थानों के साथ सहयोग के आधार पर ऊर्जा (सौर, परमाणु, प्राकृतिक गैस, जल विद्युत, प्राकृतिक गैस) के क्षेत्र में सबसे ज्यादा अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है, ताकि वैकल्पिक समाधान देना संभव हो सके।

ऑक्सफोर्ड, यूके



ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की सफलता का राज वैज्ञानिक शोध और नवाचार है। वहां के शोधार्थी ड्रग्स रिसर्च इंफेक्शन (सुपरबग) से लोगों को बचाने की दिशा में गंभीरता से जुटे हैं। इसी तरह मेडिसिन, सामुदायिक शांति, जलवायु परिवर्तन, बदलते वैश्विक नेतृत्व की खोज में भी लगे हैं। इसके लिए जरूरी तथ्य, नीतिगत निर्णयों और दृष्टिकोण को विकसित करने की दिशा में सबसे आगे हैं। शोधकर्ताओं की एक टीम एक ऐसा उपग्रह को तैयार करने में जुटी है, जिससे पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल और जलवायु के बदलावों की निगरानी कर सके।

कैम्ब्रिज, यूके



जहां तक कैम्ब्रिज की बात है तो वहां पर ज्ञान की जटिलताओं से पार पाने के लिए कृत्रिम बुद्धि (एआई) के विकास पर सबसे ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इसके लिए एक सेंटर भी स्थापित किया गया है। लीवरहुल्म ट्रस्ट ने 10 मिलियन पाउंड का अनुदान दिया है। इसका मकसद ज्ञान की विधा का नेतृत्व करना है। वैश्विक बाजार की प्राथमिकताओं को समझने के लिए रियल एस्टेट रिसर्च सेंटर के जरिए आय व पूंजीगत संपत्तियों के एप्रीशिएशन बरकरार रखते हुए उसके रिस्क और रिटर्न को बनाए रखने की विधि ढूंढने में लगे हैं।

कालटेक, यूएसए



कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कालटेक) की प्रापल्सन लैबोरेटरी, सिस्मोलॉजिकल रिसर्च व ऑब्जर्वेटरी विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अपनी भूमिका को ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए ग्रेजुएट फेलोशिप प्रोग्राम लॉन्च किया गया है। मकसद युवा वैज्ञानिकों की प्रतिबद्धता, ऊर्जा और कल्पनाशक्ति के बल पर अकल्पनीय बदलाव को संभव बनाना है। कालटेक के नोबेल लॉरेट और पूर्व विज्ञानी जोर इसलिए दे रहे हैं, ताकि पृथ्वी के अलावा अन्य ग्रहों पर भी इंसान की पहुंच सुनिश्चित करना संभव हो।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए

स्टैनफोर्ड का जोर फ्यूचर एजुकेशन के अंतरविषयी अध्ययन पर है। भविष्य में शिक्षा की रुपरेखा को ध्यान में रखते हुए अंतरविषयी अध्ययन की नई विधा को विकसित करने में लगे हैं। इसके लिए सैप सेंटर फार साइंस टीचिंग और लर्निंग स्थापित किया गया है। रसायन और जीव विज्ञान में आपसी सहयोग इस पर काम जारी है। यहां के शोधकर्ता

प्रयास कर रहे हैं कि अन्य विषयों के विभागों को एक-दूसरे से जोड़कर लर्निंग की एक नई विधा को जन्म दिया जाए। इसके लिए रसायन, जीव, कंप्यूटर, लाइफ, बायोमैडिकल, खगोल, इंजीनियरिंग जैसे विज्ञान को मर्ज करने पर काम जारी है। ताकि मानव स्वास्थ्य और बौद्धिक संपदा के मामले में दुनिया का नेतृत्व करना संभव हो सके।

